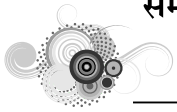


समेटिव असेसमेंट-II (Summative Assessment-II)

based on CCE

पाठ 10-18

पूर्णांक : 60

**पढ़िए (Reading)****(10)**

पंद्रह जनवरी की शाम को जब कड़ाके की सरदी पड़ रही थी, तो अकस्मात आकाश में अँधेरा छा गया। थोड़ी देर बाद बड़े-बड़े ओले पड़ने लगे। मिर्जा और मैं बरामदे में खड़े ओलों का दृश्य देख रहे थे। मैंने कहा कि यदि कोई व्यक्ति इन ओलों में घिर जाए, तो उसका परमात्मा ही रक्षक है।

मिर्जा ने यथारीति मुझसे सहमत न होते हुए उत्तर दिया, “यह केवल आपका भ्रम है।” मेरे रोकने के बावजूद वे अपने आँगन में जा खड़े हुए। परंतु जब दस-बारह ओले इनकी गंजी चँदिया पर पड़े तो चकराकर पृथ्वी पर गिर पड़े। मूर्छा आ गई। उठाकर बिस्तर पर लिटा दिया गया। रात के ग्यारह बजे जब उन्हें होश आया, तो हमें लगा जैसे हमारी मुलाकात एक नए मिर्जा से हुई है। वे एक साधारण मनुष्य की तरह बातें करने लगे। मजे की बात यह है कि जो कुछ हम कहते उससे शत-प्रतिशत सहमत हो जाते। सभी हैरान थे कि यह क्रांति कहाँ से आई। जब मिर्जा से पूछा गया तो उन्होंने हँसकर फ़रमाया, “मालूम होता है कि यह ओलों का चमत्कार है। ओलों ने मेरे मस्तिष्क की ढीली चूलों को कुछ इस तरह कस दिया है कि भविष्य में किसी बात में नुक्ता पैदा न कर सकूँगा।”

ऊपर लिखे गद्यांश को पढ़िए तथा नीचे लिखे प्रश्नों का उत्तर लिखिए—**1. सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाओ— (2)**

(क) मिर्जा और लेखक कहाँ पर खड़े होकर ओलों का दृश्य देख रहे थे?

छत पर ☐घर के बाहर ☐बरामदे में ☐

(ख) मिर्जा के ऊपर कहाँ ओले पड़े?

सिर पर ☐पीठ पर ☐पैर पर ☐**2. रिक्त स्थान भरिए—****(2)**

(क) मिर्जा को बजे होश आया।

(ख) मिर्जा अपने जा खड़े हुए।

3. संधि-विच्छेद कीजिए- परमात्मा- (1)
4. विशेषण शब्द बनाइए- मनुष्य - (1)
5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए- (4)
- (क) लेखक ने मिर्ज़ा से क्या कहा?
- (ख) मूर्छा के बाद होश आने पर मिर्ज़ा में क्या परिवर्तन आया?

व्याकरण (Grammar)

(20)

1. नीचे दिए गए शब्दों के संधि-विच्छेद के आधार पर संधि के उचित भेद पर सही (✓) का निशान लगाइए- (3)
- नमस्ते - नमः + ते = स्वर संधि ☐ विसर्ग संधि ☐
- उद्धार - उत् + धार = व्यंजन संधि ☐ स्वर संधि ☐
- रवींद्र - रवि + इंद्र = स्वर संधि ☐ व्यंजन संधि ☐
2. नीचे लिखे वाक्य में उचित वाच्य पर सही (✓) का निशान लगाइए- (2)
- (क) नंदिनी द्वारा गायिका को छोड़ दिया गया।
कर्तृवाच्य ☐ कर्मवाच्य ☐ भाववाच्य ☐
- (ख) मुझसे सुना नहीं जाता।
कर्तृवाच्य ☐ कर्मवाच्य ☐ भाववाच्य ☐
3. 'परि' और 'अति' उपसर्ग का प्रयोग करते हुए दो-दो शब्द बनाइए- (2)
- परि-, अति-
4. निम्नलिखित शब्दों के पर्याय छाँटकर लिखिए- (3)
- | | | | | | |
|---------|-------|------|------|-------|-----|
| अज्ञानी | पत्नी | राजा | तोता | कपड़ा | आँख |
|---------|-------|------|------|-------|-----|
- कीर-, लोचन-, अयानी-,
तिय-, नृप-, चीर-
5. निम्नलिखित वाक्यों के लिए एक शब्द लिखिए- (3)
- (क) प्रतिदिन होने वाला-
- (ख) जहाँ पहुँचना कठिन हो-
- (ग) जो कविताएँ लिखती हो-
6. निम्नलिखित समस्त-पदों के उचित समास लिखिए- (2)
- आजन्म-..... राजदरबार-.....
7. निम्नलिखित संज्ञा शब्दों से उचित क्रिया शब्द लिखिए- (2)
- चढ़ाई-....., बाँध-....., सजावट-....., पढ़ाई-.....
8. निम्नलिखित वाक्यों में से संज्ञा को रेखांकित और विशेषण को गोला कीजिए- (3)
- (क) संसार का प्रत्येक मनुष्य सत्साही बन सकता है।

(ख) सत्साही व्यक्ति में एक गुप्त शक्ति होती है।

(ग) संसार के सभी महापुरुष साहसी थे।

लेखन (Writing)

(10)

(क) पुस्तक मँगवाने हेतु पुस्तक विक्रेता को पत्र लिखिए।

(5)

(ख) 'टेलीविजन के लाभ-हानि' विषय पर एक निबंध लिखिए।

(5)

पाठों से (From the Lesson)

(20)

1. दिए गए वाक्यों में सही के सामने ✓ और गलत के सामने X का निशान लगाइए—

(3)

(क) संसार के काम, बड़े अथवा छोटे साहस के बिना नहीं होते।

☐

(ख) निर्धारित समय पर निश्चित काम करने से भी सफलता नहीं मिलती है।

☐

(ग) कर्तव्य का विचार प्रत्येक साहसी मनुष्य में होना चाहिए।

☐

2. किसने, किससे कहा?

(2)

(क) मयंक के पिता जी डॉक्टर हैं। उन्हीं की देख-रेख में मेरे दादा जी का इलाज चल रहा है।

आदिल ने मैम से

☐

आदिल ने रोहन से

☐

(ख) मनुष्य दूसरों को मारने के लिए पैदा नहीं हुआ, दूसरों के लिए जीने के लिए पैदा हुआ है।

गायिका ने रेखा से

☐

गायिका ने अशोक से

☐

3. अति लघु प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

(2)

(क) राम ने राजसी वस्त्र किसकी तरह त्याग दिए हैं?

(ख) किस हसरत को पूरा करने का अवसर भगत सिंह को नहीं मिल सका?

4. लघु प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

(4)

(क) सारा गाँव सुभागी की बड़ाई क्यों करता था?

(ख) एड्स दिवस कब और क्यों मनाया जाता है?

5. निबंधात्मक प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

(6)

(क) गायिका वास्तव में कौन थी? अशोक के महल में किस उद्देश्य से आई थी?

(ख) जीवन में समय नियोजन का क्या महत्त्व है?

6. सप्रसंग भावार्थ लिखिए—

(3)

लाना संग में पुष्प, न हों वे अधिक सजीले।

हो सुगंध भी मंद, ओस से कुछ-कुछ गीले।

किंतु न तुम उपहार भाव आकर दरसाना।

स्मृति में पूजा-हेतु यहाँ थोड़े बिखराना।